**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 660**

**17 दिसम्बर, 2018 को उत्तर के लिए**

**अत्यंत कम दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली की खरीद**

**660. श्री संजय राउत:**

 **श्रीमती शांता क्षत्री:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

1. क्या सेना के कई मिलियन डॉलर के अत्यंत कम दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडी), जिसके लिए हाल ही में रुस को सबसे कम बोली वाला दाता घोषित किया गया था, के विरुद्ध प्रक्रिया का पालन न करने के आरोप लगते रहे है;
2. क्या दो अन्य प्रतिस्पर्धी फ्रांस के एमवीडीए और स्वीडन की एसएएबी ने घोषणा के समय रुस को लाभ पहुंचाने के लिए प्रक्रिया का पालन न करने का आरोप लगाया है ; और
3. यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा रोसोबोरोन एक्सपोर्ट से आईजीएलए-एस के चयन को तर्कसंगत ठहराते हुए अन्य दावेदारों को संतुष्ट करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ.सुभाष भामरे)**

1. से (ग): रक्षा उपस्कर की पूंजीगत अधिप्राप्ति विभिन्न घरेलू विक्रेताओं के साथ-साथ विदेशी विक्रेताओं से, रक्षा अधिप्राप्ति प्रक्रिया (डीपीपी) के उद्धरणों के अनुसार की जाती है, जिसमें अधिप्राप्ति प्रक्रिया में उच्चतम सत्यनिष्ठ, लोक जवाबदेही, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रावधानों को शामिल करना सुनिश्चित किया जाता है। इसके बावजूद भी विभिन्न स्त्रोतों से, विभिन्न प्रक्रियात्मक पहलुओं, भ्रष्ट प्रथाओं के दोष, सत्य निष्ठा का उल्लंघन संबंधी मामले इत्यादि, की शिकायतें प्राप्त होती हैं। सभी शिकायतों पर कार्यवाही की जाती है और विषयानुसार वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार उनका निस्तारण किया जाता है।

वेरी शार्ट रेंज एयर डिफेंस (वीएसएचओआरएडी) की अधिप्राप्ति हेतु मामला वर्तमान में वार्ता स्तर पर है। वाणिज्यिक बोलियों को खोले जाने के उपरांत और एल-। विक्रेता की घोषणा करने के उपरांत ही, अन्य दो प्रतियोगी विक्रेताओं जिनके नाम फ्रांस की एमबीडीए और स्वीडन की एसएएबी है, से शिकायतें प्राप्त हुई। शिकायतों पर यथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यवाही की गई और विक्रेताओं को उचित उत्तर दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*